



# झारखण्ड गजट

## असाधारण अंक

### झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

---

संख्या 593 राँची, शुक्रवार 15 कार्तिक, 1937 (श०)  
6 नवम्बर, 2015 (ई०)

---

श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग

-----

#### अधिसूचना

4 नवम्बर, 2015

एस० ओ०-74-1949--भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार (नियोजन एवं सेवा शर्त विनियमन) अधिनियम, 1996 सह पठित भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार (नियोजन एवं सेवाशर्त विनियमन) झारखंड नियमावली, 2006 के प्रयोजनार्थ तथा झारखंडभवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की दिनांक 8 मई, 2015 को सम्पन्न बैठक में लिए गए निर्णय के आलोक में भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार (नियोजन एवं सेवाशर्त विनियमन) नियमावली, 2006 के अंतर्गत झारखंड राज्यपाल राज्य में भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के निबंधित लाभुक निर्माण श्रमिकों के हितार्थ निम्नरूपेण कल्याण योजना बनाते हैं एवं व्यय की अनुमति प्रदान करते हैं -

(I) प्रारंभिकी:- राज्य के भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार (नियोजन एवं सेवा शर्त विनियमन) अधिनियम, 1996 के अंतर्गत निबंधित निर्माण श्रमिकों के सुरक्षित भविष्य के लिए मार्गदर्शिका निम्नवत निरूपित की जाती है :-

**उद्देश्य:-** निर्माण क्षेत्र में संलग्न श्रमिक प्रायः ग्रामीण क्षेत्र के कमजोर वर्ग से आते हैं। साथ ही निर्माण क्षेत्र में कार्य करना जोखिमयुक्त है, जिसमें दुर्घटना की स्थिति में मृत्यु अथवा अंगभंग की संभावना बनी रहती है। प्रायः ऐसी स्थिति में निर्माण कर्मकारों की मृत्यु या दुर्घटना की स्थिति में लाभ दिया जाना नितांत

आवश्यक है। यह लाभ, आम आदमी बीमा योजना के अंतर्गत देय लाभ से कमतर नहीं होगी। इस योजना से ऊपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति में आशातीत सफलता अपेक्षित है।

योजना का स्वरूप :- यह योजना राज्य में झारखंड निर्माण कर्मकार मृत्यु/दुर्घटना सहायता योजना के नाम से जानी जाएगी। योजना एवं व्यय संबंधी निदेश अधिसूचना निर्गत होने की तिथि से लागू होगी।

१. **योजना का प्रावधान:-**

- (i) यह योजना झारखंड राज्य में निर्माण क्षेत्र में कम करने वाले १८-६० वर्ष के उम्र के निबंधित कर्मकारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से लागू के जा रही है।
  - (ii) इस योजना का लाभ झारखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के निबंधित लाभकों को मिलेगा।
  - (iii) इस योजना के अनुसार किसी निबंधित कामगार की कार्य के दौरान दुर्घटना में मृत्यु होती है, तो उनके आश्रितों के ७५०००/- रुपये (पछतर हजार) का अनुदान दिया जाएगा।
  - (iv) इस प्रकार दुर्घटना की स्थिति में पूर्ण अपंगता की स्थिति में ७५०००/- रुपये तथा आंशिक अपंगता की स्थिति में ३७०००/- रुपये का अनुदान दिया जाएगा।
  - (V) यदि किसी निबंधित कामगार की सामान्य मृत्यु होती है तो उनके आश्रितों को ३००००/- रुपये का अनुदान दिया जाएगा।
- (II) **योजना की पात्रता** :- भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार अधिनियम के अंतर्गत निबंधित श्रमिकों का योजना का लाभ दिया जाएगा।
- (III) **लाभ हेतु वांछित प्रमाण-पत्र एवं कागजात :-**
१. HRकी प्रति।
  २. मृत्यु प्रमाण-पत्र की छायाप्रति।
  ३. अपंगता प्रमाण-पत्र जो कि सक्षम प्राधिकार द्वारा निर्गत हो (सरकारी राज्य चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा निर्गत प्रमाण-पत्र ही मान्य होगा)।
  ४. स्थानीय श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी का जांच प्रतिवेदन।
- (IV) **आवेदन प्रक्रिया**:- आवेदक को निकटतम जिला में अवस्थित श्रम अधीक्षक/सहायक श्रमायुक्त/उप श्रमायुक्त कार्यालय में/प्रखण्ड में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी को आवेदन देना होगा।
- (V) **स्वीकृति पदाधिकारी** :- इस योजना के स्वीकृति पदाधिकारी सभी जिलों में पदस्थापित श्रम अधीक्षक होंगे।

(संख्या-०२/श्रमा०का०(BOMAd)-११/२०१५ श्र०नि०-१९४९ रांची दिनांक ०४-११-२०१५)

झारखंड राज्यपाल के आदेश से,

ह०/- (अस्पष्ट),

सरकार के अवर सचिव।

-----

झारखण्ड राजकीय मुद्रणालय, राँची द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित,

झारखण्ड गजट (असाधारण) 593—50+500